स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २४ अंक १११ वि.सं. २०८३ कार्तिक २९ गते अँट्वार थारु सम्वत (२६४९) [Sunday 15 November 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

जलवायु परिवर्तन ओ विपद् जोखिम न्यूनीकरणमे पत्रकारिताके भूमिका महत्वपूर्ण : मुख्यमन्त्री भट्ट



पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २८ कार्तिक । सुदूरपश्चिम प्रदेशके मुख्यमन्त्री खगराज भट्ट जलवायु परिवर्तन, विपद् व्यवस्थापन तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ओ तथ्याङ्कमे आधारित पत्रकारिता तालिम बर्तमान समयके महत्वपूर्ण आवश्यकता ओ समय सान्दर्भिक रहल बटैले बटै ।

अग्रलेख मल्टिमिडिया प्रा.लि.से आयोजित जलवायु पैरवी, विपद् व्यवस्थापन ओ डिजिटल सञ्चार, एआई तथा डेटामे आधारित पत्रकारिता तालिमके उद्घाटन करटी मुख्यमन्त्री भट्ट जलवायु परिवर्तन ओ विपद्के घटनासे समाज तथा देशमे टमान मेरिक संकट सिर्जना करटी रहल बटैले बटै ।

उहाँ जलवायुजन्य विपद्के जोखिम न्यूनीकरण, पूर्वतयारी, प्रतिकार्य तथा व्यवस्थापनके विषयमे पत्रकारिता क्षेत्रमे आबद्ध व्यक्तिहुके कैना अध्ययन, छलफल ओ पैरवीसे सरकारहे नीति निर्माण तथा योजना कार्यान्वयनमे समेत सहयोग पुग्न विश्वास व्यक्त करलै ।

मुख्यमन्त्री भट्टसे पछिल्का १० वर्षमे जलवायु परिवर्तन तथा विपद्के कारण सुदूरपश्चिम प्रदेशसे प्रदेश सरकारके एक वर्षके बजेट बराबरके क्षति व्यहोरे परल उल्लेख करटी विपद् अइना आघे पूर्वतयारी ओ जोखिम न्यूनीकरणके उपाय अवलम्बन करेपर्नामे जोड डेलै । यकर लाग सरकार, सञ्चार क्षेत्र ओ आम नागरिक सक्कु जाने आ-आपन ठाउँसे जिम्मेवार भूमिका निर्वाह करेपर्ना उहाँके कहाई रहे ।

उहाँ पत्रकारहुक्रे सुदूरपश्चिमके समस्या ओ चुनौतीसँगे यहाँ रहल अपार सम्भावनाहेफे उजागर करेपर्ना बटैलै । कृषि, उद्योग, पर्यटन तथा जलविद्युत् क्षेत्रके सम्भावनाके खोजी करटी आर्थिक उपार्जन ओ रोजगारी सिर्जना कैना दिशामे प्रदेश सरकार योजनाबद्ध रूपमे आघे बहटी रहल उहाँ उल्लेख करलै ।

पत्रकारितासे सुदूरपश्चिमके प्राकृतिक, सांस्कृतिक, धार्मिक तथा आर्थिक सम्भावनाहे राष्ट्रिय ओ अन्तर्राष्ट्रिय स्तरसम पुगैना महत्वपूर्ण भूमिका खेले सेक्ना उहाँके कहाई रहे ।

मुख्यमन्त्री भट्टसे पछिल्का समय एआईके प्रयोगसे सूचना तथा सञ्चार क्षेत्रमे सहजता ओ सरलता ठप्लेसेफे उ संगे नयाँ जटिलता ओ चुनौतीसमेत सिर्जना करल बटैलै । एआई प्रविधिके सही, जिम्मेवार ओ तथ्यपरक प्रयोग करटी पत्रकारसे सामाजिक रूपान्तरण, जनचेतना अभिवृद्धि ओ सकारात्मक सामाजिक अभियानमे समेत योगदान डेहेपर्ना उहाँ धारणा रख्लै ।

उहाँ प्रविधिके विकाससंगे पत्रकारिताहे थप अनुसन्धानमूलक, तथ्यमे आधारित ओ जिम्मेवार बनैना यैसिन तालिम तथा क्षमता अभिवृद्धिके कार्यक्रम उपयोगी हुइना विश्वास व्यक्त करलै ।

पवेरामे लवांगी भजहर कार्यक्रम
संस्कृति संरक्षणसंगे पुस्तान्तरण आवश्यक बा: प्रदेश सभासदस्य धनश्याम



पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २८ कार्तिक । कैलाली जिल्लाके कैलारी गाउँपालिका वडा नम्बर ५ पवेरामे लवाङगी भजहर तथा योजनाबारे जानकारी कार्यक्रम हुइल बा ।

पवेरा गाउँ समाजके आयोजनामे गाउँक भल्मन्सा रामबहादुर कठरियाके अध्यक्षतामे हुइल कार्यक्रममे वरका पहुना सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार पुर्व आर्थिक मामिला मन्त्री तथा प्रदेश सभा सदस्य घनश्याम चौधरी ओ विशिष्ट पहुना वडा नम्बर ५ के वडा अध्यक्ष विष्णु प्रसाद चौधरी रहल रहिट । कार्यक्रममे सम्बोधन करटी वरका पहुना प्रदेश सभा सदस्य घनश्याम चौधरी पवेरा गाउँमे कठरिया थारु ओ डगौरा थारुके मिलल बस्ती ओ यहाँ संस्कृतिके धनी रहल कहटी यिहीहे संरक्षण संरक्षण पुस्तान्तरण आवश्यक रहल बटैलै । उहाँ कहलै, संस्कृति कहलेक हमार पहिचान हो । यिहीहे जोगैनाकेसंगे पुस्तान्तरण करलेसे जोगे सेकी नइकी लोप हुइटी जाई । एक समय असिन रहे । हमार पहिरन ओ गरगहना लोप हुई लागल रहे । अब्बे फेरसे बचाई परठ कना मनोभावना बहटी । हमार पहिरन, नाँच गान प्रति विदेशी समेट चासो राखे लागल कहटी हम्रे झन बचाई परठ । लोप हुइलेसे कौनोफे विश्व विद्यालयमे खोज्लेसे नैमिली ।

उहाँ प्रदेश सरकारसे गाउँघर केन्द्रीत योजना डेहे लागल कहटी कैलारी-५ पवेरामे बरघर भवन सामुदायिक भवनके बजेट विनियोजन करल जानकारी डेलै । उ भवनके लाग २० लाख रुप्या विनियोजन करल बा ।

ओस्टेक सुर्मिनाला बडैपुर सडकमे २ करोड, वनदेवी मन्दिर *(बाँकी २ पेजमे)*

बडीकेदारमे ५ अगहनसे मेला



पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २८ कार्तिक । डोटीके प्रसिद्ध धार्मिक तथा पर्यटकीयस्थल बडीकेदार धाममे अइना अगहन ५ गतेसे तीनदिने धार्मिक पर्यटन मेला आयोजना हुइना बा । मेलामे सुदूरपश्चिमके टमान जिल्लाके साथे भारतके उत्तर प्रदेशसे समेत श्रद्धालु भक्तजन सहभागी हुइना अपेक्षा करल बा ।

बडीकेदार क्षेत्र पर्यटन विकास समितिके अध्यक्ष उपेन्द्र बमके अनुसार मेलामे कार्तिक शुक्ल त्रयोदशीके रातके विशेष धार्मिक कार्यक्रम हुइना ओ चतुर्दशीके दिन बिहान बडीकेदारके पवित्र शिलामे पूजाअर्चना कैना बा । मेलाके अवसरमे टमान क्षेत्रसे देवताके देउरा तथा भाँकीसहित श्रद्धालु धाम पुग्न धार्मिक परम्परा बा । रातभर डेउडा खेल्न, नाचगान कैना तथा भजनकीर्तनसहित पूजाआजा कैना कार्यक्रमसमेत सञ्चालन हुइना अध्यक्ष बमसे जानकारी डेलै ।

समुद्री सतहसे दुई हजार ५९१ मिटरके उचाइमे रहल बडीकेदार धामहे भगवान् शिवके पवित्र तीर्थस्थलके रूपमे लेना करजाइठ । उहाँ मूर्तिके सट्टा भारी पवित्र शिलाहे शिवलिङ्गके रूपमे पूजा कैना परम्परा बा । अध्यक्षके बमके अनुसार दर्शन तथा पूजाआजा करलेसे मनोकामना पूरा हुइना धार्मिक विश्वासके कारण वर्षेनी भारी सत्यामे भक्तजन यहाँ पुग्न करल बटै ।

यिहे बीच, सुदूरपश्चिम प्रदेशके मुख्यमन्त्री खगराज भट्टसे बडीकेदार धामहे प्रदेशके महत्वपूर्ण धार्मिक शक्तिपीठके रूपमे *(बाँकी २ पेजमे)*



स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

विकल्पको खोजीमे नेपाली श्रमिक

विचार
सीता शर्मा

नेपालके अदक्ष ओ अर्धदक्ष श्रमिकके प्रमुख श्रम गन्तव्य मलेसियामे तत्कालके लाग नयाँ श्रम स्वीकृति स्थगित हुइल बा । नेपाल ओ मलेसिया सरकारबिच श्रमिक पठैना विवाद (वैदेशिक रोजगार व्यवसायी कम्पनी छनोट) समाधान नैहुइटसम रोजगारी खुल्न अवस्था नैडेखाइठ । मलेसियासे १५ असोजसे नयाँ श्रमिकके बायोमेडिकल (स्वास्थ्य परीक्षण) करना बन्द करलपाछे नयाँ भिसा जारी करना रोकल बा । नेपालके कानुन ओ दुई देशबिच यीआघे हुइल श्रम समझदारी (एमओयु) विपरीत मलेसिया सरकारके 'फरेन वर्कर सेन्टरलाइज म्यानेजमेन्ट सिस्टम' (एफडब्लुसिएमएस) मे नेपालके २५ ठो वैदेशिक रोजगार व्यवसायी कम्पनीहे किल सूचीकृत कैके एकाधिकार करे खोजलओरसे यी समस्या उत्पन्न हुइल हो । जबकी नेपालके कानुन अनुसार दर्ता होके सञ्चालित म्यानपावर कम्पनीके संख्या एक हजार एक सयसे ढेर रहल बा । मलेसिया सरकारके एफडब्लुसिएमएसमे सूचीकृत हुइल नेपालके ३६ स्वास्थ्य परीक्षण संस्थासे स्वास्थ्य परीक्षण रिपोर्ट जारी करलपाछे किल मलेसियाके भिसा जारी हुइठ । एफडब्लुसिएमएस सञ्चालन करना जिम्मेवारी पाइल वेस्टिनेट एसडिएनसे नेपालके लाग सूचीकृत २५ म्यानपावर कम्पनी (मलेसियासे प्रिन्सिपल रिक्रुटमेन्ट एजेन्सी मान्यता प्राप्त) के ओरसे बायोमेडिकल दर्ता करलपाछे किल स्वास्थ्य परीक्षण हुइल कहल बा । वेस्टिनेट कम्पनीसे प्रिन्सिपल रिक्रुटमेन्ट एजेन्सीके सक्रियता हुइलपाछे किल नयाँ मेडिकल दर्ता हुइना उल्लेख करल बा ।

मलेसिया गैल भदौमे सूचीकृत करल २५ प्रिन्सिपल रिक्रुटमेन्ट एजेन्सी ओ २५० सहायक रिक्रुटमेन्ट एजेन्सीहे नेपालसे अनुमति डेहल नैहो । मलेसियासे छनोट करल २५ म्यानपावर कम्पनीके विषयमे आपत्ति जनैटि आइल युवा, श्रम, रोजगार मन्त्रालयसे उ कम्पनीहे पक्राउ पुर्जीसमेत जारी करल बा । मन्त्रालयसे कूटनीतिक तहसे समाधान करना कलेसे फेन वैदेशिक रोजगार विभागसे २५ म्यानपावर कम्पनीके सञ्चालकउप्पर अनुसन्धान कैके कारबाहीके प्रक्रिया आगे बहल बा । विभागसे वैदेशिक रोजगार न्यायाधिकरणसे अनुमति लेके उ सञ्चालक विरुद्ध पक्राउ पुर्जी जारी करले बा । विभागसे हाले सार्वजनिक सूचना अनुसार सञ्चालकहे ३५ दिनभित्रे सम्पर्कमे नैआइलमे बैंकिङ कारोबारके खाता ओ यात्रा अनुमति रोक्ना उल्लेख बा । मन्त्रालयसे यी विषयहे दुई देशके संयन्त्र संयुक्त कार्यदलसे टुंग्याइना कटि बैठक करना दुई ठो मिति (अगहन ४ से ५ गतेसम वा १६ से १७ गते नोभेम्बर १८-१९ वा डिसेम्बर २-३ तारिख) हे प्रस्ताव करल बा । साथे नेपाल सरकारसे मलेसियाली पक्षके अनुकूलता अनुसार बैठकके मिति तय करे सेकटसमके लचकता देखाइल बा ।

श्रमिक भर्ना प्रक्रियामे निरन्तरता, पूर्वानुमान योग्यता ओ सहजता कायम करना डुनु पक्षबिच आपसी सहमतिसे नयाँ व्यवस्था तय नैहुइटसम विद्यमान प्रक्रियाहे निरन्तरता डेहेपरना नेपालके धारणा बा । प्रस्तावित बैठकमे श्रमिक छनोट तथा भर्ना प्रक्रियाहे थप व्यवस्थित, पारदर्शी ओ श्रमिकमैत्री बनैना विषयके साथे नेपाल ओ मलेसियाबिच हुइल समझदारीपत्रके नवीकरणसम्बन्धी मसौदाहे अन्तिम रूप डेना विषयमे समेत छलफल हुइना अपेक्षा करल बा । हुइना टे गैल असोज २० गते (६ अक्टोबर) मलेसियाके श्रममन्त्री रमानन रामकृष्णानसे नेपाली समकक्षी रामजी यादवहे लेखल पत्रमे म्यानपावर कम्पनी छनोटसम्बन्धी निर्णयमे मलेसिया सरकार अडिग रहल उल्लेख बा । मलेसिया सरकार श्रमिक भर्नासम्बन्धी हालके संरचनाहे निरन्तरता डेना अपन अडानमे दृढ रहल यीआघे पत्रमार्फत स्पष्ट पारसेकल बा ।

खाडी क्षेत्रमे तनाव बह्रलपाछे विकल्पमे मलेसियाके रोजगारीहे हेरल रहे । गैल आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मे मलेसियामे एक लाख ३२ हजार नेपाली गैल बटैं । वैदेशिक रोजगार विभागके अनुसार अमेरिका-इजरायल ओ इरानबिच गैल १६ फागुनमे युद्ध सुरु हुइलपाछे खाडीमे नयाँ नेपाली श्रमिकके भर्ना विगतके तुलनामे ५२.१२ प्रतिशतमे खुम्चल बा । ओकर विकल्पमे हेरल मलेसिया फेन म्यानपावर कम्पनी छनोटके विषय समयमे समाधान करे नैसेक्के बन्द हुइल । यीआघे विसं २०७५ मे श्रम सम्झौता ओ श्रमिकके हकहितके विषयमे बाट नैमिल्के १६ महिना मलेसियामे नयाँ श्रमस्वीकृति रोकल रहे । अभिन फेन पुनः ओहे अवस्थासे अन्योलके स्थिति सिर्जना हुइल बा । यी अवस्था कत्रा समय रही अब्बे कहे सेक्ना अवस्था नैहो । तत्कालीन समयमे मलेसियामे वैदेशिक रोजगारी बन्द होके नेपाली श्रमिक (कतार, साउदी अरेयिबा, युएई, कुवेत) वा अन्य नयाँ गन्तव्यओर मोरल रहे । अभिन फेन मलेसियाके विकल्पमे खाडीके देश हो मने पहिले जस्टे ओत्र सहज भर खाडीमे फेन नैहो । तत्काल हेरलेसे मलेसिया अपन अडानसे टसमस हुइना नैडेखाइठ । नेपाल फेन मलेसियाली पक्षके गैरकानुनी म्यानपावर छनोटहे स्वीकार नैकरना अडानमे डेखाइठ । देशके कानुन ओ द्विपक्षीय सम्झौता उल्लंघन करना वैदेशिक रोजगारीके प्रक्रियासे काल्हके दिनमे नेपाली नागरिकके सुरक्षा ओ अधिकार सुनिश्चित करे नैसेकठ । टबेमारे कानुनविपरीत नेपाली युवाके श्रम बेच्नसे तत्कालके लाग मलेसिया पठैना कार्य स्थगित करना सही निर्णय रहठ । नेपालके कानुन अनुसार दर्ता होके वैधानिक रूपमे सञ्चालनमे रहल सब म्यानपावर कम्पनीसे समान रूपमे श्रमिक पठाइ पैना व्यवस्था रलेसे किल यी प्रक्रिया आगे बहे परठ । सीमित म्यानपावर व्यवसायीके दबाब वा प्रभावमे परके सम्झौता करजाइ कलेसे देश ओ श्रमिकउप्परके बेमाइनी हुइल बा । यकर असर आगामी दिनमे और जटिल हुइल बा ।

सरकारसे मलेसियाके विषयहे टुंग्यइना दुई देशबिच यीआघे बनल संयन्त्र संयुक्त कार्यदलके बैठकके लाग दुई ठो मिति प्रस्ताव करल बा । नेपालके प्रस्ताव मलेसियासे स्वीकार करलमे अइना अगहन ४ ओ ५ गते वा १६ ओ १७ गते बैठक हुइल बा । बैठकमे नेपालके ओरसे सहभागी हुइना अधिकारी सन् २०१८ के श्रम समझदारी अनुरूप श्रमिकसे मलेसिया जाके कौनो शुल्क तिरे नैपरना प्रावधान कागजमे किल सीमित नैढैके व्यवहारमे उतरना मेरिक निर्णयमे अडिक हुइ परठ । नेपाली श्रमिकके हकहितविपरीत केत्रो दबाब ओ प्रभावमे करना निर्णय मान्य हुइल नैहो । मलेसिया नेपालके सीमित म्यानपावरसे किल श्रमिक लेना अडान लेहल खण्डमे मलेसिया त्याके सेके परल । नेपालीके रोजगारी युरोपके देशओर मोरे परल । यिहे फेन युरोप आकर्षक गन्तव्य मानजाइठ । यी देशसे संस्थागत रूपमे माग नानल व्यवस्था नैहोके नेपाली युवा व्यक्तिगत भिसामे चर्को शुल्क तिरके जैना बाध्य बर्टै । सरकारीस्तरसे युरोपमे नेपाली श्रमिकके माग नानल विषयमे सहजीकरण करल टमान सम्भावना रहल बा ।

कानुनी जटिलता

नेपालके २५ ठो म्यानपावर कम्पनीहे किल 'मुख्य एजेन्सी' ओ अन्य २५० हे सहयोगी एजेन्सीके रूपमे सूचीकृत करलपाछे यी विवाद कानुनी संकटमे परिणत हुइल हो । नेपालके वैदेशिक रोजगार ऐन, २०६४ अनुसार इजाजतपत्र (लाइसेन्स) प्राप्त सब म्यानपावर कम्पनीसे स्वतन्त्र ओ प्रतिस्पर्धात्मक रूपमे व्यवसाय करे पैना कानुनी अधिकार बा । सीमित कम्पनीहे किल काम डेके बजारमे एकाधिकार (सिन्डिकेट) होके नेपालके कानुनके बर्खिलाप हुइठ । सन् २०१८ मे नेपाल ओ मलेसियाबिच हुइल श्रम समझदारीमे श्रमिक भर्ना प्रक्रिया पारदर्शी, शून्य लागत ओ प्रतिस्पर्धात्मक हुइना उल्लेख रहे । विगतके श्रम समझदारीमे श्रमिक पठैना देश जत्रा जिम्मेवार हुइ परठ । श्रमिक लेना देश फेन ओत्रे जिम्मेवार, जवाफदेही ओ प्रतिबद्ध हुइ परठ ।

वैकल्पिक श्रम गन्तव्य

मलेसियाके रोजगारी अनिश्चित बनलपाछे ओ मध्यपूर्व (खाडी मुलुक) मे भूराजनीतिक तनावके कारण माग कुछ घटलपाछे नेपाली श्रमिकके लाग नयाँ तथा सुरक्षित वैकल्पिक गन्तव्य उदय हुइल बा । हालके वर्षमे नेपाली श्रमिकके सबसे भारी वैकल्पिक आकर्षण युरोप बनल बा । आर्थिक वर्ष २०८२/८३ के तथ्यांक अनुसार रोमानिया, क्रोएसिया, माल्टा, पोर्चुगल ओ पोल्यान्ड जैसिन देशमे संस्थागत तथा व्यक्तिगत रूपमे हजारौं नेपाली रोजगारीके लाग जैटि बटैं । विशेष कैके माल्टा ओ रोमानियामे म्यानपावरमार्फत संस्थागत माग आइल बा । मलेसियामे नयाँ श्रमस्वीकृति रोकल वर्तमान अवस्थामे अदक्ष ओ अर्धदक्ष नेपाली श्रमिकके लाग युरोपके देश वैकल्पिक श्रम गन्तव्य हुइ सेकि ।

जोर्डन

गार्मेन्ट तथा उत्पादन क्षेत्रमे अदक्ष ओ अर्धदक्ष महिला तथा पुरुष श्रमिकके लाग जोर्डन तुलनात्मक रूपमे सुरक्षित ओ स्थिर गन्तव्य मानजाइठ । यहाँ न्यूनतम पारिश्रमिक ओ सेवा सुविधा फेन कानुनी रूपमे व्यवस्थित बा । रोमानिया ओ क्रोएसियालगायत युरोपेली देश फेन नेपाली श्रमिकके लाग आकर्षक विकल्पके रूपमे आइल बा । वहाँ निर्माण क्षेत्र, कृषि, सरसफाइ ओ होटेल तथा रेस्टुराँमे अदक्ष/अर्धदक्ष कामदारके माग मजा बा । यद्यपि यहाँ जाइक लाग सुरुवाती प्रक्रिया ओ लागत कुछ ढेर हुइ सेकि । जापान 'स्पेसिफाइड स्किल्ड वर्कर' लगायत टमान कार्यक्रममार्फत जापान नेपाली श्रमिक लैगिले बा । यकर लाग सामान्य भाषा ओ सिप आवश्यक परठ मने अदक्ष स्तरसे कुछ तालिम लेके जाइक लाग यी मजा ओ सुरक्षित विकल्प हुइ सेकि । *(बाँकी ३ पेजमे)*

अछाममे भिरसे गिरके एक जहनके मृत्यु

अछाम, २८ कार्तिक । अछाममे भिरसे गिरके एक जहनके मृत्यु हुइल बा कलेसे औरे एक जाने घाहिल हुइल बटैं ।

शुक्र साँझ ढकारी गाउँपालिका-१ बासल्लाके ३२ वर्षीय बिर्खे बुढा ओ ३१ वर्षीय गणेश बुढा स्थानीय सालटोक्टा बजारसे घर अइना क्रममे बासल्लास्थित भिरसे करिब १५० मिटर तल गिरके घाहिल हुइल रहैं ।

भिरसे गिरके गम्भीर घाहिल हुइल बिर्खे बुढाके उपचारके क्रममे शनिच्चर बिहान ९:२० बजे मृत्यु हुइल अछामके प्रहरी प्रमुख प्रहरी नायब उपरीक्षक पविन्द्र बम बटैलैं । घटनामे घाहिल गणेश बुढाके स्थानीय स्वास्थ्य संस्थामे उपचार करल ओ उपचारपाछे उहाँ घर आइल प्रहरी जनैले बा । घटनाबारे थप अनुसन्धान हुइटिरहल प्रहरी नायब उपरीक्षक बम बटैलैं ।

संस्कृति संरक्षणसंगे...



जाईक लाग कटैनी लडियामे पुल निर्माण हुइटी रहलफे बटैलै ।

कैलारी गाउँपालिका वडा नम्बर ५ के वडा अध्यक्ष विष्णु प्रसाद चौधरी गाउँपालिकासे पवेरा गाउँमे सडक स्तारोन्ती ओ ग्राभेलके लाग ९ लाख रुप्या विनियोजन करल बटैलै । उहाँ योजना संचालनके बजेट विनियोजना करल बा । कौनो विवाद नैहुई कलेसे औरे बरस फेरसे बजेट विनियोजन करेसेक्ना बटैलै ।

कैलारी गाउँपालिकाके योजना शाखा प्रमुख सन्तोषकुमार चौधरी प्रदेश सरकारसे बडघर भवनके लाग विनियोजन करल बजेट गाउँपालिकाहे हस्तान्तरण हुइल कहटी हालि निर्माणके काम आघे बह्रना बटैलै । ओस्टेके उहाँ पवेरा गाउँमे माटो फिलिङ ओ ग्राभेलके लाग उपभोक्त समिति गठन हुइल कहटी हाली काम सुरु हुइना बटैलै । पवेरा गाउँमे सांस्कृतिक कार्यक्रम हुई छोरल कहटी संस्कृति जोगाइक लाग यिहीहे निरन्तरता डेहे पर्ना बटैलै ।

कार्यक्रममे कलाकार चन्द्र चौधरी, गुर्गी सिचाई आयोजनाके अध्यक्ष भीष्म चौधरी, पत्रकार प्रेम चौधरीलगायत मन्तव्य राखल रहिट । कार्यक्रमके बारे जानकारी पवेरा गाउँ समाजके सहसचिव परसराम चौधरी ओ स्वागत मन्तव्य समाजके उपाध्यक्ष प्रेम बहादुर चौधरी राखल रहिट ।

कार्यक्रममे संचालन विविनता कठरिया करल रहिट । लवाङ्गी भजहर कार्यक्रममे पवेराके होरी ओ बंगालीपुरके झुम्रा नॉच डेखागिल रहे ओ पच्रा फेन सुना गिल रहे । लवाङ्गी भजहरमे गुरुवा देशराम चौधरी ओ केशौका शिवचरण डंगौरा पुजा करल रहिट ।

बडीकेदारमे ५ अगहनसे...

विकास करेपर्ना बटैले बटै । शनिच्चर धनगढीमे आयोजित पत्रकार सम्मेलनमे मुख्यमन्त्री भट्टसे धार्मिक तथा पर्यटकीय सम्भावना बोकल उ क्षेत्रके विकासके लाग गुरुयोजना निर्माणके काम हुइटी रहल बटैलै । प्रदेशके महत्वपूर्ण धार्मिकस्थलके गुरुयोजना तयार करके बजेट विनियोजनमार्फत विकास निर्माणके काम आघे बह्रैना मुख्यमन्त्री भट्ट बटैलै ।

धनगढीसे भीमदत्त राजमार्ग हुइटी सहजपुर, बीपीनगर, ओ अत्तरकाँडा हुके करिब ११६ किलोमिटर सडक यात्रापाछे बडीकेदार पुगे सेक्जाइठ । अत्तरकाँडासे भर करिब दुई घण्टा पैदल उप्पर नेगे परठ ।

धामसम पुग्न डगरमे अब्बे पक्की सिँढीसमेत निर्माण करल बा । धार्मिक पर्यटनके प्रवर्द्धन ओ भक्तजनके सहभागिता बह्रैना उद्देश्यसे आयोजना करे लागल मेलामे सहभागी हुइना आयोजक सक्कु श्रद्धालु भक्तजनहे आग्रह करले बा ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेके ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोटः साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनः ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजकः

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
वैयावेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्चुलेन्स नम्बर
९८३४६८९६१७, ९८५८४३७०१८,
९८१४६०८०५६,
९८१४६८०००६८,९८१४६६०३८५
प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२७३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२७१५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२७२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२७११३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२७१५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०३०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८
बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२७७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२९२१६
सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२७१०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२७४२९
मालपोत.०९१-५२९२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२९२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२७५५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२९२७१
नवजिवन ०९१- ५२९२३३/५२७७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्चुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२७३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२७२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२७१४५
दिनेश मेटल ०९१-५२७३९२
होटल
डिओटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, विद्या०९१-५२३२७३
तरुण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२७५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ब्रान्डप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२७२३३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२७०७९
राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२५१९५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२७०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२७२५२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

वैकल्पिक ऊर्जा अनुदानमे सीमित

काठमाडौँ, २८ कार्तिक । नेपालमे वैकल्पिक तथा नवीकरणीय ऊर्जाके पहुँच विस्तार हुइलेसे फेन राष्ट्रिय ऊर्जा खपतमे यकर योगदान एकडम न्यून डेखाइल बा । नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रहे बलगर बनैना मेरिक स्थापना करल वैकल्पिक ऊर्जा प्रवर्धन केन्द्रहे तीन दशक पूरा हुइलेसे फेन दायरा सीमित होके यी बलगर विकल्प बने नैसेक्ना पाइल बा ।

वैकल्पिक ऊर्जा प्रवर्धन केन्द्र (एइपिसी) के तीन दशकके उपलब्धिसम्बन्धी प्रतिवेदन अनुसार आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मे नेपालके कुल ऊर्जा खपत ५०३ पेटाजुल (पिजे) रहलमे परम्परागत ऊर्जाके हिस्सा ५८ प्रतिशत बा । व्यावसायिक ऊर्जाके हिस्सा ३८.८ प्रतिशत ओ नवीकरणीय ऊर्जाके योगदान ३.२ दुई प्रतिशत किल बा । यिहिनसे वैकल्पिक ऊर्जाहि छोट विकल्पके घेरामे किल सीमित करल पुष्टि करठ ।

कुल ऊर्जा खपतमे दाउराके हिस्सा ५१.९ प्रतिशत, पेट्रोलियम पदार्थके २२.२ प्रतिशत, कोइलाके ८.५ प्रतिशत ओ विद्युत्के ८.१ रहल प्रतिवेदनमे उल्लेख बा । यिहिनसे विद्युत् पहुँच विस्तार हुइलेसे फेन समग्र ऊर्जा खपतमे स्वच्छ ऊर्जाके प्रतिस्थापन अपेक्षित गतिमे हुइ नैसेक्न डेखाइठ । यिहिनसे परम्परागत ऊर्जासे आधुनिक तथा स्वच्छ ऊर्जाओरके संक्रमण और अधुरा रहल डेखाइठ ।

ग्रामीण विद्युतीकरण, सौर्य ऊर्ज, लघु तथा साना जलविद्युत्, बायोग्यास, सुधारल चुल्हा ओ ऊर्जा दक्षतामे यी



केन्द्रसे काम करटि आइल बा । केन्द्रके सहयोगमे हालसम ३७ लाखसे ढेर घरपरिवारमे टमान ऊर्जा प्रविधि पुगल डेखाइठ मने नेपाल विद्युत् प्राधिकरणमार्फत विद्युतीकरण विस्तार होके जाँदा तत्कालीन नवीन प्रविधिके उपयोगिता विलय हुइना अवस्थामे पुगल बा । सौर्य ऊर्जाओर १० लाखसे ढेर सौर्य घरेलु प्रणाली जडान हुइल तथ्यांक बा । संस्थागत तथा व्यावसायिक क्षेत्रमे ४७ हजार ७३८ किलोवाट सौर्य प्रणाली स्थापना हुइल बा ।

केन्द्रके पूर्वकार्यकारी निर्देशक डा. मधुसुधन अधिकारी सरकारसे केन्द्रहे परीक्षणके विकल्पमे किल प्रेरित करना करल मने व्यावसायिक बन्न बेला अन्य निकाय हाबी हुइना रकल बटैलैं । "केन्द्र नेपालमे सौर्य विद्युत् सम्भव रहि कहिके स्थापित करल हो," उहाँ कलैं, "मने सौर्य विद्युत्के व्यावसायिक उत्पादन करना बेला जिम्मेवारी विद्युत् प्राधिकरणमे पुगाइठ ।"

केन्द्रके तीन दशकमे सबसे ढेर स्वच्छ खाना पकैना प्रविधिमे उल्लेखनीय योगदान पुगाइल डेखाइठ । २२ लाख ४० हजार घरपरिवारमे सुधारल चुल्हा ओ घरेलु बायोग्यासलगायतके प्रविधि जडान हुइल प्रतिवेदनसे देखाइल बा । यिहिनसे परम्परागत ऊर्जाउप्परके निर्भरता घटैटि गृहिणीके जनस्वास्थ्यमे फेन सकारात्मक योगदान पुगैना प्रतिवेदनमे उल्लेख बा ।

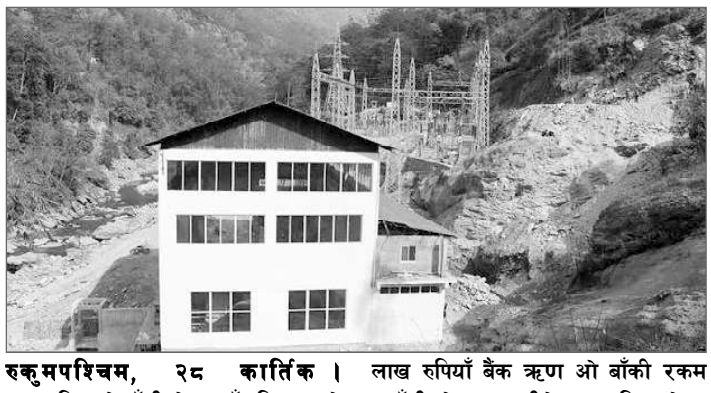
प्रतिवेदन अनुसार केन्द्रमार्फत १४ लाख २० हजार माटिके सुधारल चुल्हा, चार लाख ५९ हजार ३४५ घरेलु बायोग्यास प्लान्ट, दुई लाख पाँच हजार ६०१ धातुके सुधारल चुल्हा ओ एक लाख ४९ हजार ९६० विद्युतीय चुल्हा प्रयोगमे बा । यीबाहेक विद्यालय, कृषि फार्म तथा व्यवसायमे प्रयोग हुइना ३८० संस्थागत, सहरी तथा व्यावसायिक बायोग्यास प्लान्ट सञ्चालनमे बा । अइसिन बायोग्यास व्यावसायिक रूपमे भर स्थापित हुइ नैसेक्ना प्रतिवेदनसे जनैले बा ।

प्रतिवेदन अनुसार आयोजना असफल हुइनामे अनुदानमुखी सोच फेन जिम्मेवार डेखाइठ । अनुदान प्राप्त हुइ कलेसे लगानीकर्ता फेन व्यावसायिक दिगोपन नैहेरल प्रतिवेदनसे जनाइल बा । उत्पादित मल ओ ग्यासके बजार व्यवस्थापन हुइ नैसेक्के फेन भारी बायोग्यास प्लान्टके उपलब्धि औसतसे टरे बा । जलविद्युओर केन्द्रके सहयोगमे ४१ हजार ३४५ किलोवाट लघु तथा साना जलविद्युत् क्षमता स्थापना हुइल बा । यिहिनसे करिब चार लाख घरपरिवार लाभान्वित हुइल बटैं । कृषि प्रशोधन तथा विद्युतीकरणके लाग ११ हजार १९४ ठो सुधारलके पानीघट्टसमेत निर्माण तथा स्तरोन्नति करल बा । लघु तथा साना जलविद्युत्हे राष्ट्रिय ग्रिडमे आबद्ध कैके व्यावसायिक बनैलेसे फेन कार्यान्वयन नैहोके भर उ आयोजना फेन बन्द हुइटि जैना क्रम बहल बा ।

पूर्वकार्यकारी निर्देशक अधिकारी एइपिसीके गतिविधिहे दातृनिकाय ओ अनुदानमे आधारित कार्यक्रममे किल केन्द्रित करलेसे फेन केन्द्र व्यावसायिक हुइ नैपैना जिकिर करठैं । "एइपिसीहे प्राथमिक ओ परीक्षणकारी निकायके रूपमे नैहोके फराकिलो सोच रहल विकसित करना उपयुक्त रहठ," उहाँ कलैं, "उद्योग, कृषि, यातायात जैसिन व्यावसायिक क्षेत्रसँग जोरके निजी लगानी परिचालन करर्ना अवसर अभिन बाँकी बा ।"

नवीकरणीय ऊर्जा परिसंघ (रिकोन) के अध्यक्ष कुशल गुरुङ केन्द्रहे पर्याप्त स्रोतसाधन ओ अधिकारसहित नेतृत्वदायी भूमिका डेना आवश्यक रहल बटैलैं । "बायोग्यास, लघुजलविद्युत्, सुधारल चुल्हा जस्टे विकेन्द्रीकृत ऊर्जा प्रविधिमे लगानी तथा सहयोगहे निरन्तरता डेहे परठ," उहाँ कलैं, "एइपिसीहे छुट्टे कानुनी हैसियतमे स्थापित करटिकरटि यिहिनहे व्यावसायिक ओ विस्तारित फेन बनैना जरुरी बा ।"

स्थानीय सरकारसे बनाइल जलविद्युत् आयोजना



रुकुमपश्चिम, २८ कार्तिक । रुकुमपश्चिमके बाँफीकोट गाउँपालिका–३ मे निर्माण सम्पन्न हुइल ३.३ मेगावाट क्षमताके स्यार्पु साना जलविद्युत् आयोजनासे व्यावसायिक रूपमे विद्युत् उत्पादन करना हुइल बा ।

रुकुमपश्चिमके सब छ स्थानीय तहके संयुक्त लगानीमे स्थापित स्यार्पु पावर कम्पनीसे निर्माण करल यी आयोजनाहे नेपाल विद्युत् प्राधिकरण व्यावसायिक विद्युत् उत्पादनके अनुमतिसमेत डेसेकल बा ।

कम्पनीके अध्यक्ष धनवीर ओलीके अनुसार स्थानीय तहसे सामूहिक रूपमे जलविद्युत्मे लगानी करल कारण स्यार्पु साना जलविद्युत आयोजना वित्तीय लगानीके नौलो मोडेल फेन हो । यकर कुल लागत करिब ६२ करोड रुपियाँ पुगल बा । कुल लागतके ७० प्रतिशत अर्थात् ४३ करोड ५९ लाख रुपियाँ बैंक ऋण ओ बाँकी रकम स्वपुँजी हो । कम्पनीमे रुकुमपश्चिमके छ ठो स्थानीय तह ओ जिल्ला समन्वय समितिके ५४ प्रतिशत, संघीय सरकारके अर्थ मन्त्रालयके एक प्रतिशत लगानी रहल बा । बाँकी ४५ प्रतिशत स्थानीय साधारण सेयरके लाग छुट्याइल बा ।

आयोजनामे सबसे ढेर चौरजहारी नगरपालिका छ करोड २९ लाख रुपियाँ लगानी करले बा कलेसे सानीभेरी गाउँपालिका चार करोड ९६ लाख रुपियाँ लगानी करले बा । बाँफीकोट गाउँपालिका दुई करोड ७९ लाख, आठबिसकोट नगरपालिका दुई करोड पाँच लाख, त्रिवेणी गाउँपालिका एक करोड ८२ लाख ओ मुसीकोट नगरपालिका ५० लाख लगानी करले बा । आयोजनामे संघीय अर्थ मन्त्रालयके २२ लाख सेयर लगानी रहल बा कलेसे ६१ लाख ७२ हजार रुपियाँ जिल्ला समन्वय समितिके लगानी बा । बाँकी ४५ प्रतिशत प्रारम्भिक सार्वजनिक निष्कासन (आइपिओ) मार्फत सर्वसाधारणके लाग खुला रहि ।

विसं २०७८ से निर्माण प्रयास करल 'रन अफ रिभर' प्रकृतिके उ आयोजना २०८० अगहन २५ गते शिलान्यास करल रहे । कम्पनीके कार्यकारी प्रमुख प्रदीप ओलीके अनुसार आयोजनासे वार्षिक करिब एक करोड ८१ लाख ७७ हजार युनिट विद्युत् उत्पादन होके वार्षिक १० करोड १५ लाख रुपियाँ आम्दानी हुइना अनुमान बा । आयोजनासे उत्पादित विद्युत् ३३ केभी प्रसारण लाइनमार्फत बाँफीकोट सबस्टेसन हुइटि राष्ट्रिय प्रणालीमे जोरल बा । प्रतिनिधि सभाके सदस्य गोपाल शर्मा स्थानीय सरकारके नेतृत्व, लगानी, सहभागिता, आर्थिक लाभ ओ स्थानीय जनताके स्वामित्वसमेतके हिसाबसे यी आयोजना देशके लाग सफल नमुना आयोजना बनल बटैलैं । चौरजहारी नगरपालिकाके प्रमुख पुष्प बादी स्थानीय सरकारके यी लगानी दीर्घकालीन आन्तरिक आम्दानीके आधार बन्ना अपेक्षा रहल बटैलैं । "आयोजना नियमित सञ्चालनमे आइल कुछ वर्षमे लगानी टे उठि," उहाँ कलैं, "ओरापछे प्राप्त हुइना लाभांश पालिकाके स्थायी आन्तरिक आम्दानी नि ।"

विकल्पको खोजीमे...

इजरायल

कृषि तथा केयर गिभिङ क्षेत्रमे नेपाली श्रमिकके लाग इजरायल सरकारसँगके समझदारीमे श्रमिक जैना करल बटैं । यहाँक सेवा सुविधा आकर्षक रलेसे फेन सुरक्षास्थितिहे भर ध्यान डेहेपरना रहठ । दक्षिण कोरिया 'इपिएस' प्रणालीमार्फत कोरिया जैना क्रम जारी बा । यद्यपि यहाँ भाषा परीक्षा उत्तीर्ण करेपरना रहठ मने अदक्ष श्रमिकके लाग यी सबसे सुरक्षित, पारदर्शी ओ मजा आम्दानी हुइना गन्तव्य मानजाइठ मने अभिन कुछ समय संयुक्त अरब इमिरेट्स (युएई), कतार ओ साउदी अरेबिया अभिन फेन भारी संख्यामे नेपाली श्रमिक भित्रैना प्रमुख देश हो ।

निष्कर्ष

सरकारसे मलेसियाके विषयहे टुंग्याइना दुई देशबिच यीआघे बनल संयन्त्र संयुक्त कार्यदलके बैठकके लाग दुई ठो मिति प्रस्ताव करल बा । नेपालके प्रस्ताव मलेसियासे स्वीकार करलमे अइना अगहन ४ ओ ५ गते वा १६ ओ १७ गते बैठक हुइल बा । बैठकमे नेपालके ओरसे सहभागी हुइना अधिकारी सन् २०१८ के श्रम समझदारी अनुरूप श्रमिकसे मलेसिया जाके कौनो शुल्क तिरे नैपरना प्रावधान कागजमे किल सीमित नैढैके व्यवहारमे उतरना मेरिक निर्णयमे अडिक हुइ परठ । नेपाली श्रमिकके हकहितविपरीत केक्रो दबाब ओ प्रभावमे करना निर्णय मान्य हुइल नैहो । मलेसिया नेपालके सीमित म्यानपावरसे किल श्रमिक लेना अडान लेहल खण्डमे मलेसिया त्याके सेके परल । नेपालीके रोजगारी युरोपके देशओर मोरे परल । यिहे फेन युरोप आकर्षक गन्तव्य मानजाइठ । यी देशसे संस्थागत रूपमे माग नानल व्यवस्था नैहोके नेपाली युवा व्यक्तिगत भिसामे चर्को शुल्क तिरके जैना बाध्य बटैं । सरकारीस्तरसे युरोपमे नेपाली श्रमिकके माग नानल विषयमे सहजीकरण करल टमान सम्भावना रहल बा ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

अन्तर्राष्ट्रिय

भारतके मणिपुरमे सवारी साधनउप्पर गोली प्रहार, चारके मृत्यु

काठमाडौँ, २८ कार्तिक । भारतके उत्तरपूर्वी राज्य मणिपुरमे बन्दुकधारी समूहसे सवारीसाधनउप्पर गोली प्रहार कैके कम्तीमे चार जहनके मृत्यु हुइल बा । घटनामे मृत्यु हुइया नागा समुदायके सर्वसाधारण रहल प्रहरी जनैले बा ।



मणिपुरके उखरुल जिल्लास्थित नेसनल हाइवे–२०२ मे परना न्यु हेभनलग्गे दुईठो सवारीसाधनउप्पर आक्रमण हुइल हो । उ स्थान राज्यके राजधानी इम्फालसे करिब ८२ किलोमिटर उत्तरपूर्वमे परठ ।

प्रहरीके अनुसार दुईठो सवारीसाधनमे सवार नागा समुदायके नागरिक इम्फालओर जैटि रहल बेला बन्दुकधारी उहाँहुकनउप्पर गोली प्रहार करले रहे । आक्रमणपाछे घटनास्थलमे सुरक्षा व्यवस्था कडा पारल बा ।

घटनालगत्ते थप सुरक्षाकर्मी परिचालन करल प्रहरी जनैले बा । प्रहरी, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), भारतीय सेना तथा असम राइफल्सके सुरक्षाकर्मीहे घटनास्थल ओ आसपासके क्षेत्रमे खटाइल बा ।

आक्रमणमे संलग्न व्यक्तिके पहिचान कैके पक्राउ करना घटनास्थल तथा आसपासके क्षेत्रमे खोजी अभियानसमेत सञ्चालन करल प्रहरी प्रवक्ता बटैलैं ।

घटनापाछे थप अप्रिय घटना हुइ नैडेना सुरक्षा निकाय निगरानी ओ सुरक्षा व्यवस्था मजबुत बनाइल बा । आक्रमणमे संलग्न व्यक्तिबारे अनुसन्धान जारी रहल प्रहरी जनैले बा ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गौं रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श



डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन



२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी–५) सम्पर्क नं. ०९१–५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

खोल्टाखुल्टीसे ग्रामीण सडकमे दुर्घटनाके जोखिम

दार्चुला, २८ कार्तिक । दार्चुलाके लेकम गाउँपालिकाहे महाकाली लोकमार्गसँग जोरना ग्रामीण सडक गोकुलेश्वर-चौपाता-लाली सडकखण्डमे बर्खाके समयमे बनल खोल्टाखुल्टीसे दुर्घटनाके जोखिम बहल बा ।

सडकखण्डके टमान ठाउँमे भारी तथा छोट खोल्टाखुल्टी परलपाछे यातायात सञ्चालनमे समस्या हुइल यातायात व्यवसायी बटैले बटैं । सवारीसाधन सञ्चालन करेबेर दुर्घटनाके जोखिम हुइना कटि स्थानीयवासी ओ सवारीचालकसे चिन्ता व्यक्त करले बटैं ।



कच्ची सडकखण्डके उकालो ओ घुम्ती रहल ठाउँमे भारी खोल्टाखुल्टी होके सवारीसाधन सञ्चालन करना कठिन ओ जोखिमपूर्ण रहल जिप सञ्चालन करटि आइल यातायात व्यवसायी पदम खत्री बटैलैं । गाउँपालिकाके मुख्य सडकके अवस्था दयनीय बनलपाछे स्थानीय समयमे सडक मर्मत करना माग करले बटैं । यीआघे बर्खाके समयमे सडकमे गिरल पहिरो ओ ढुंगामाटि हटैना क्रममे लेकम गाउँपालिका सडकके खोल्टाखुल्टी पुरना काम करल उहाँ बटैलैं । ओहोर पालिका व्यवस्थित रूपमे सडक मर्मत नैकैके सडकके अवस्था और बिगरके दुर्घटनाके जोखिम बहल कार्यपालिका सदस्य चञ्चल खत्री बटैलैं ।

सडक दीर्घकालीन रूपमे मर्मतके लाग अप्ने गाउँपालिकामे कैचो आवाज उठाइल मने सुनुवाइ नैहुइल उहाँ बटैलैं । बर्खामे गाउँपालिका अपन मेसिनके प्रयोग कैके सडकमे परल खोल्टाखुल्टी पुरना काम करलेसे फेन प्रभावकारी नैहुइल और जिप व्यवसायी बटैलैं । ग्रामीण सडकके अवस्था ठिक नैरहलओरसे यहाँक स्थानीय तथा यातायात व्यवसायी जोखिमपूर्ण यात्रा करना बाध्य बटैं । तिहार ओराइलसँगे लेकम क्षेत्रके टमान मठमन्दिरमे लग्ना रात्रिकालीन जात्राके लाग आवतजावत करना भक्तजन जोखिमपूर्ण सडकमे यात्रा करना बाध्य हुइल बटैं । जात्राके समयमे यहाँके ग्रामीण सडकमे सवारीसाधनके चाप बह्ठ ।

यहाँके जयपुर मन्दिरलगायत अन्य मठमन्दिरमे लग्ना प्रसिद्ध जात्रा अइटिरहल बेला सडकके अवस्था सुधार नैकरलेसे दुर्घटनाके जोखिम बह्रे सेक्ना स्थानीयवासी चिन्ता व्यक्त करले बटैं ।

गाउँपालिकाके औरे ग्रामीण सडक ऐरिछाना-धनथला सडकके अवस्था औरे नाजुक रहल यातायात व्यवसायी बटैले बटैं । दुनु सडक समयमे मर्मत करना स्थानीय माग करले बटैं ।

लेकम गाउँपालिका अध्यक्ष रामदत्त जोशी ग्रामीण सडक एक साताभित्रे मर्मत तथा सरसफाइ करना बटैलैं । बर्सातपाछे कुछ ठाउँमे सडक सफाइके काम करल जानकारी डेटि उहाँ लेकम क्षेत्रमे लग्ना जात्राआघे गाउँपालिकाभित्तरके सब जैसिन सडक मर्मत करना जानकारी डेलैं ।

लम्कीचुहामे औषधी अभाव

पहुरा समाचारदाता

सुखड, २८ कार्तिक । कैलालीके लम्कीचुहा प्रादेशिक अस्पतालमे लम्मा समयसे औषधी अभाव होके स्वास्थ्य बिमा करल बिरामीसमेत निजी औषधी पसलसे औषधी खरिद करना बाध्य हुइल बटैं ।

अस्पतालमे प्रेसर, सुगर, दमलगायत नियमित रूपमे प्रयोग हुइना औषधी अभाव हुइल ओरसे बिरामीहे समस्या हुइल हो । गैल जेठमे लम्कीचुहा नगर अस्पताल प्रादेशिक अस्पतालके रूपमे रूपान्तरण होके सञ्चालनमे आइल हो । प्रादेशिक अस्पतालमे रूपान्तरण हुइलपाछे उपचारके लाग अइना बिरामीके संख्या बह्रलेसे फेन आवश्यक औषधी तथा स्वास्थ्य सेवाके उपलब्धता भर अपेक्षा अनुसार हुइ नैसेकल सेवाग्राहीके गुनासो बा ।

लम्कीचुहा नगरपालिका-३ निवासी ५५ वर्षीया पवित्रा रावल विगत तीन वर्षसे मधुमेहके औषधी सेवन करटि बटि । स्वास्थ्य बिमा करल उहाँ बिमामार्फत निःशुल्क पाइपरना औषधी अस्पतालसे उपलब्ध नैहुलपाछे निजी औषधी पसलसे खरिद कैके सेवन करटिरहल बटैलैं ।

अस्पतालमे रहल रावल कलैं, "भदौसे अस्पतालसे औषधी पैले नैहुँ । बाहिरसे किनके खैटि बटु । दिनमे तीन चो खाइ परना । निःशुल्क पैना औषधी फेन किनके खाइपरना धेर मर्का परल छ ।"

नेपालके २५ लाख हेक्टर वनमे कार्बन कार्यक्रम विकास कैना सहमति

काठमाडौं, २८ कार्तिक । नेपाल सरकार ओ विश्वव्यापी जलवायु समाधान प्रदायक संस्था साउथ पोलबीच कोशी, कर्णाली ओ सुदूरपश्चिम प्रदेशके २५ लाख हेक्टरसे ढेर वन क्षेत्रमे कार्बन कार्यक्रम विकास कैना सहमति हुइल बा । कोप-३१ के अवसरमे कृषि, वन तथा पर्यावरण मन्त्रालय ओ साउथ पोलबीच शनिच्चर हुइल सहमति अनुसार क्षेत्रगत वन कार्बन कार्यक्रम (जे-रेड्ड प्लस) विकास कैना बा । सुरुमे तीन प्रदेशमे सञ्चालन कैना कार्यक्रम क्रमशः देशभर विस्तार कैना लक्ष्य राखल बा ।

आर्किटेक्चर फर रेड्ड प्लस ट्रान्ज्याक्सन्स (एआरटी) के ट्रिज मापदण्डअनुसार विकास कैना कार्यक्रमसे वन विनाश तथा क्षयीकरणसे हुइना हरितगृह ग्यास उत्सर्जन घटैना, दिगो वन व्यवस्थापन प्रवर्द्धन कैना ओ वन डढेलो नियन्त्रणमे सुधार कैना लक्ष्य राखल बा ।

कार्यक्रमअन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रिय नागरिक उड्डयन सङ्गठनके अन्तर्राष्ट्रिय उड्डयनके लाग कार्बन अफसेटिङ तथा न्यूनीकरण योजना (कोर्सिया) ओ पेरिस सम्झौताके धारा ६ अन्तर्गत अन्तरराष्ट्रिय बजारमे बिक्री कैना सेक्ना वन कार्बन क्रेडिट उत्पादन कैना बा ।

सहमतिअनुसार नेपाल सरकार ओ साउथ पोलसे कार्यक्रम सञ्चालनके लाग आवश्यक नीतिगत तथा नियामक संरचना, कार्बन तथा भूमिसम्बन्धी अधिकार, सुरक्षा मापदण्ड, लाभ बाँडफाँट ओ स्थानीय समुदायके स्वतन्त्र, पूर्वसूचित तथा सुसूचित सहमति सुनिश्चित कैना प्रक्रिया विकास कैही ।

साउथ पोलसे कार्यक्रमके प्राविधिक डिजाइन, लगानी संरचना, मिश्रित वित्त परिचालन तथा कार्बन क्रेडिटके अन्तरराष्ट्रिय बजार व्यवस्थापनमे सहयोग करी । उत्पादित कार्बन क्रेडिटहे कोर्सिया ओ पेरिस सम्झौताके धारा ६ अन्तर्गतके अन्तर्राष्ट्रिय खरिदकर्तासँग जोरना सहमतिमे उल्लेख बा ।

कृषिमन्त्री गीता चौधरीसे सामुदायिक वन व्यवस्थापन ओ संरक्षणमे नेपालसे अन्तर्राष्ट्रिय पहिचान बनाइल उल्लेख करटी यी सहकार्यसे वन तथा पारिस्थितिक प्रणाली संरक्षणके लाग अन्तर्राष्ट्रिय जलवायु वित्त परिचालनमे सहयोग पुग्न विश्वास व्यक्त करली । उहाँ वनमे आश्रित आदिवासी तथा स्थानीय समुदायके संरक्षण, डढेलोके जोखिम न्यूनीकरण तथा युवा ओ महिलाके लाग दिगो आर्थिक अवसर सिर्जना कैना कार्यक्रम उपयोगी हुइना बटैली ।

मन्त्रालयके सचिव डा राजेन्द्रप्रसाद मिश्र तीन प्रदेशके २५ लाख हेक्टरसे ढेर वन क्षेत्र समेट्न कार्यक्रम संयुक्त रूपमे विकास करे लागल जानकारी डेलै । उहाँक अनुसार दिगो वन व्यवस्थापन ओ पर्वतीय जलाधार संरक्षणके कार्यक्रममार्फत गरिब तथा सीमान्तकृत आदिवासी समुदायके जीविकोपार्जनके अवसर विस्तार करना बा ।

साउथ पोलके प्रमुख कार्यकारी अधिकृत नादिया कादुरीसे सन् २०२७ मे कोर्सियाके दुसरा चरण सुरु हुइना आघे उच्च गुणस्तरके वन कार्बन क्रेडिटके आपूर्ति बढाईपर्ना बटैली ।

उहाँ नेपालके वन संरक्षणसम्बन्धी दृष्टिकोण ओ जलवायु प्राथमिकतामे निजी लगानी, प्राविधिक क्षमता तथा अन्तरराष्ट्रिय बजारके पहुँच जोड्न सहकार्यसे सहयोग कैना उल्लेख करली ।

अन्तरराष्ट्रिय हवाई यातायात संघके अनुसार कोर्सियाअन्तर्गत दायित्व पूरा कैना विमान कम्पनीहे हाल उपलब्ध आपूर्तिसे तीन गुणासे ढेर योग्य कार्बन एकाइ आवश्यक पर्ना विज्ञप्तिमे जनाइल बा ।

सन् २०२७ मे योजनाके दुसरा चरण सुरु हुइना हुइल ओरसे वनसम्पन्न मुलुकके लाग अन्तरराष्ट्रिय जलवायु वित्त परिचालनके अवसर रहल साउथ पोलके कहाई बा ।

सन् २००६ मे स्थापना हुइल साउथ पोलसे विश्वभर तीन हजार पाँच सयसे ढेर संस्थाहे सेवा डेटी आइल । संस्थाके अनुसार यकर पोर्टफोलियोमे ८५० से ढेर कार्बन परियोजना बटै कलेसे हालसम २० करोड मेट्रिक टनसे ढेर कार्बन डाइअक्साइड उत्सर्जन न्यूनीकरणमे सहयोग पुग्याइल बा । यी सहकार्यसे वन संरक्षण, जलवायु अनुकूलन तथा वनमे निर्भर समुदायके जीविकोपार्जनमे योगदान पुग्न अपेक्षा करल बा ।

सामाजिक सञ्जाल प्रयोगमा सतकर्ता अपनाऔं

- सामाजिक सञ्जालमा जातीय, धार्मिक, सामाजिक र साम्प्रदायिक सद्भावमा खलल पुऱ्याउने तथा भ्रम सिर्जना गर्ने कार्य नगरौं,
- राष्ट्रिय सुरक्षा र एकतामा आँच नपुऱ्याऔं,



- कसैको प्रतिष्ठा, मर्यादा र आत्मासम्मानमा ठेस नपुऱ्याऔं,
- जातीय भेदभाव, छुवाछुत र श्रमप्रति अवहेलना नगरौं,
- शान्ति सुरक्षामा खलल पार्ने एवम् प्रचलित कानूनले रोक लगाएका सामग्रीहरु पोष्ट, शेयर, ट्याग, ह्यासट्याग, जस्ता कार्यहरु कानूनतः दण्डनीय हुन्छन् ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाइन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।





संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा पश्चिम)

मो. ९८५८४२३९१२,

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अव सर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services



सेवाहरू:

- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन ।
२) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९